हरिभूमि

शौर्य भूमि

मंडला | अंजनिया | भुआबिछिया | बम्हनीबंजर | नैनपुर | निवास | बीजाडांडी

जबलपुर, सोमवार 1 अप्रैल 2024

login : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

लोकसभा क्षेत्र में कुल 2614 मतदान केन्द्र

मण्डला। कलेक्टर डॉ. सलोनी सिडाना ने बताया कि मंडला लोकसभा क्षेत्र में मतदान केन्द्रों की कुल संख्या 2614 है। विधानसभा शहपुरा में 336, डिंडौरी में 319, बिछिया में 304, निवास में 321, मंडला में 320, केवलारी में 353, लखनादौन में 407 तथा गोटेगांव में 254 मतदान केन्द्र नियत किए गए हैं। फरवरी 2024 की स्थिति के अनुसार संसदीय निर्वाचन क्षेत्र मंडला में कुल 2097051 मतदाता हैं जिनमें 1048096 पुरूष, 1048930 महिला एवं 25 अन्य मतदाता सम्मिलित हैं। लोकसभा क्षेत्र का जेंडर रेशो 1000.79 है। विधानसभा शहपुरा में कुल 270309 मतदाता हैं जिनमें 134884 पुरूष, 135424 महिला एवं 1 अन्य मतदाता सम्मिलित हैं। विधानसभा डिंडौरी में कुल 249455 मतदाता हैं जिनमें 123932 पुरूष, 125513 महिला एवं 10 अन्य मतदाता सम्मिलित हैं। विधानसभा बिछिया में कुल 262467 मतदाता हैं जिनमें 129233 पुरूष, 133233 महिला एवं 1 अन्य मतदाता सम्मिलित हैं। विधानसभा निवास में कुल 268024 मतदाता हैं जिनमें 131755 पुरूष, 136268 महिला एवं 1 अन्य मतदाता सम्मिलित हैं। विधानसभा मंडला में कुल 270878 मतदाता हैं जिनमें 133929 पुरूष, 136947 महिला एवं 2 अन्य मतदाता सम्मिलित हैं। विधानसभा केवलारी में कुल 261478 मतदाता हैं जिनमें 131961 पुरूष, 129514 महिला एवं 3 अन्य मतदाता सम्मिलित हैं। विधानसभा लखनादौन में कुल 297253 मतदाता हैं जिनमें 150987 पुरूष, 146263 महिला एवं 3 अन्य मतदाता सम्मिलित हैं। इसी प्रकार विधानसभा गोटेगांव में कुल 217187 मतदाता हैं जिनमें 111415 पुरूष, 105768 महिला एवं 4 अन्य मतदाता सम्मिलित हैं।

मंडला संसदीय क्षेत्र में 14 अभ्यर्थी

मण्डला। लोकसभा सामान्य निर्वाचन 2024 के अंतर्गत नाम वापसी की प्रक्रिया के बाद मंडला संसदीय क्षेत्र के लिए 14 अभ्यर्थी शेष हैं जिनमें इन्दर सिंह उइके, ओमकार सिंह मरकाम, फग्गनसिंह कुलस्ते, चन्द्र सिंह कुशराम, चरन सिंह धुर्वे, महेश कुमार वट्टी, रामकुमार इनवाती (एडवोकेट), अशोक सरैया, कलिया बाई कोकाड़िया, घूरसिंह सल्लाम, अधिवक्ता देवसिंह कुमरे, डॉ. भाव सिंह तेकाम, राकेश सिंह ठाकुर तथा सितार मरकाम शामिल हैं। सभी अभ्यर्थियों को चुनाव चिन्ह आवंटित कर दिये गये हैं।

पशुपालकों को दूध उत्पादन विक्रय में बोनस देंगे - मुख्यमंत्री

भाजपा ने किया हमेशा आदिवासियों का सम्मान

*** कोदो कुटकी का समर्थन मूल्य बढ़ायेंगे।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव लोकसभा क्षेत्र के प्रत्याशी फग्गन सिंह कुलस्ते के समर्थन में चुनाव रैली को संबोधित करने मण्डला जिले के मवई विकासखंड के ग्राम घुटास पहुंचे ,इस अवसर पर उन्होंने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने हमेशा आदिवासी समाज का सम्मान किया है, भाजपा ही ऐसी सरकार है जिन्होंने आदिवासी समाज की एक महिला को देश का राष्ट्रपति बनाया उन्होंने कहा छिंदवाड़ा के एक आदिवासी विधायक ने कमलनाथ ओर कांग्रेस का साथ छोड़कर भाजपा पर मोदी जी पर भरोसा व्यक्त करते हुए भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता ली उन्होंने भरोसा जताया है कि मोदी है तो मुमकिन है और क्षेत्र का विकास भारतीय जनता पार्टी की सरकार ही कर सकती है। मुख्यमंत्री श्री यादव ने कहा की आजादी के बाद से कांग्रेस पार्टी ने हमेशा आदिवासियों को गुमराह कर कर उनका वोट लिया लेकिन कभी भी आदिवासियों का सम्मान नही किया। आदिवासी बैगा बाहुल्य क्षेत्र में भारतीय जनता पार्टी की सरकार आने के बाद ही विकास संभव हो सका है जबकि कांग्रेस ने हमेशा बैगा और आदिवासी समाज को अपना वोट बैंक के रूप में इस्तेमाल किया। उन्होंने कहा की मध्य प्रदेश की भारतीय जनता पार्टी की सरकार दूर दराज के मजरे- टोले के घर= घर में बिजली और हर घर तक सड़क बनाने का काम पूरा करेगी मवई क्षेत्र में उद्योग स्थापित कर आदिवासी युवाओं को रोजगार देंगे। मुख्यमंत्री श्री यादव ने कहा कि हमारी सरकार कोदो कुटकी में प्रति क्विंटल एक हजार रूपए बढ़ाएगी क्योंकि मोदी सरकार ने मोटे अनाज को दुनिया में श्री अन्न के रूप में एक नई पहचान दिलाई है। आज आदिवासी अंचल में उत्पादन होने वाला कोदो कुटकी ज्वार मक्का का दुनिया में मांग बढ़ रही है।

किसान, नौजवान की मेहनत का हो सम्मान

मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव ने कहा की खेतों में हमारे किसान कड़ी मेहनत करते हैं और भारत देश के सीमाओं में हमारी सेना के नौजवान कड़ी मेहनत कर देश की सुरक्षा में लगे इसलिए किसान और सेना के नौजवानों का सम्मान करना हमारी पहली जिम्मेदारी है भारतीय जनता पार्टी की सरकार अपनों के संबंधों को लेकर चलने वाली सरकार है सबको लेकर चलने वाली सरकार इसलिए आने वाले दिनों में किसानों को धान और गेहूं का बोनस देंगे।

इलाज के लिये उपलब्ध होगा हेलीकॉप्टर

जनसभा को संबोधित करते हुए डॉक्टर मोहन यादव ने कहा कि सरकार हर व्यक्ति के जीवन में मदद के लिए होती है, इसलिए भाजपा सरकार ने तय किया है कि इमरजेंसी मामलो में इलाज के लिए आम नागरिकों को बड़े अस्पताल में ले जाने के लिए हेलीकॉप्टर सेवा की व्यवस्था की गई है कलेक्टर और डॉक्टर के निर्णय के बाद किसी भी अस्पताल में इलाजरत गरीब से गरीब व्यक्ति के जीवन को बचाने के लिए हेलीकॉप्टर से ले जाने की व्यवस्था मध्यप्रदेश की भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने एक योजना के रूप में आरंभ किया है।

आदिवासी वनवासियों के साथ भगवान राम का संबंध बहुत गहरा है

मुख्यमंत्री डॉक्टर यादव ने कहा की मध्य प्रदेश के चित्रकूट में 11 साल तक भगवान श्री राम आदिवासी वनवासियों के साथ वनवास के दौरान साथ में रहे। भगवान श्री राम का वनवासियों आदिवासियो के साथ बहुत ही गहरा संबंध है। भगवान राम और कृष्ण के आदर्शों पर पूरा देश चलना चाहता है, लेकिन राम मंदिर के निमंत्रण को कांग्रेस ने ठुकरा दिया।कांग्रेस ने हमेशा राम मंदिर और राम के नाम पर विवाद खड़ा किया। जो राम का नहीं वह किसी काम का नहीं, इसलिए 19 तारीख को कांग्रेस के घमंड की लंका जलाकर मोदी सरकार बनाने का संकल्प लें और भारतीय जनता पार्टी को विजय बनाएं मध्य प्रदेश की सभी 29 लोकसभा सीट पर कमल खिलाकर तीसरी बार मोदी जी की सरकार बनाने का हम संकल्प लें,आदिवासी समाज के नेता श्री फग्गन सिंह कुलस्ते को भरी बहुमतों से विजय बनाए।

इस अवसर पर मध्य प्रदेश लोकसभा चुनाव के प्रभारी श्री महेंद्र सिंह लोकसभा प्रत्याशी श्री फग्गन सिंह कुलस्ते कैबिनेट मंत्री श्रीमती संपतिया उइके ने भी जनसभा को संबोधित किया और जनता से आग्रह किया कि लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी को अपना आशीर्वाद देकर पुनः एक बार फग्गन सिंह कुलस्ते को संसद तक पहुंचाएं।

जनसभा में जिला पंचायत अध्यक्ष संजय कुशराम लोकसभा प्रभारी डॉ विनोद मिश्रा भाजपा जिला अध्यक्ष भीष्म द्विवेदी प्रफुल्ल मिश्रा विधानसभा प्रभारी राजेश पाठक मंडल अध्यक्ष जनप्रतिनिधी गण सहित बड़ी संख्या में जनसमूह उपस्थित रहा।

सत्य की पहचान से दादी जी ने विश्व में अपनी अलग पहचान बनाई

*** राजयोगिनी डॉ. दादी जानकी के चतुर्थ पुण्य स्मृति दिवस मनाया।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

ब्रह्माकुमारीज की पूर्व मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी डॉ दादी जानकी के चतुर्थ पुण्य स्मृति दिवस को वैश्विक आध्यात्मिक जागृति दिवस के रूप में मनाया गया। कार्यक्रम बस स्टैंड के पीछे स्थित विश्व शांति भवन के सभाग्रह में किया गया। कार्यक्रम में मंडला सेवाकेंद्र संचालिका राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी ममता दीदी ब्रह्माकुमारी ओमलता दीदी एवं ब्रह्माकुमार भाई बहनें उपस्थित रहे। सर्वप्रथम मुरली क्लास के बाद दादी जी को भोग स्वीकार कराया गया इसके बाद संस्मरण सुनाए।

राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी ममता दीदी जी ने दादी जी की पुण्य स्मृति दिवस पर उनको श्रद्धांजलि अर्पित की और सभी को दादी जी के संस्मरण सुनाते हुए विशेषताओं पर प्रकाश डाला। दीदी जी ने बताया कि विकारों से सभी को सच्ची आजादी दिलाने वाली दादी डा जानकी ने देश विदेशों में भी अपनी सेवाएं दीं और सभी जगह परमात्मा का संदेश दिया और विश्व की दादी कहलायीं। दादी जी को डॉक्टरेट की उपाधि से भी सम्मानित किया गया।

ब्रह्माकुमारी ममता दीदी ने बताया कि दादी जी को विश्व की मां का दर्जा हासिल है। उन्होंने ब्रह्माकुमारीज संस्था में समर्पित 46 हजार से अधिक बहनों की अभिभावक व संरक्षक बन पालना की। आपके सानिध्य से प्राप्त पालना में सभी बहनें दिन रात विश्व नव निर्माण के सेवा में जुटती गई। ब्रह्माकुमारी ओमलता दीदी ने बताया कि मैं कौन? मेरा कौन? की सत्य पहचान के सम्मान से दादी जी ने विश्व भर में अपनी एक अनोखी पहचान बनाई। सदा सर्व के लिए सच्चे और साफ दिल की आपकी विशेषता ने स्वयं परमात्मा के हृदय में आपका विशेष स्थान स्थापित किया। सभी ने इस कार्यक्रम में विशेष शांति का अनुभव किया, सभी ने दादी जी को शांति के वातावरण में अनुभूतियों के साथ भावांजलि, पुष्पांजलि और श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके बाद सभी को भोग दिया गया।

स्वास्थ्य केन्द्र बिछिया में पदस्थ बीईई के.धुर्वे को सेवानिवृत्ति पर दी गई विदाई

भुआबिछिया। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बिछिया में पदस्थ बीईई के.धुर्वे को सेवानिवृत्ति पर कार्यक्रम आयोजित कर विदाई दी गई। इस कार्यक्रम में समस्त अधिकारी, कर्मचारी व परिजन मौजूद रहे। बताया गया कि सीएचसी में आयोजित सेवानिवृत्ति कार्यक्रम में बीएमओ डा.सज्जन कुमार उइके, डॉ.डीके टाकसांडे, डॉ.पीएन मिश्रा, डॉ.राबिया बेगम समेत बीईई के परिजन व सीएचसी में पदस्थ स्टाफ मौजूद रहा। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सभी ने बीईई के.धुर्वे को कर्तव्यनिष्ठ शासकीय सेवक निरूपित करते हुए सभी कर्मचारियों को प्रेरणा लेने के लिए कहा। सेवानिवृत्त हुई बीईई के.धुर्वे ने कहा कि शासकीय सेवा के दौरान सभी कैडर के कर्मचारियों का पूरी तरह से सहयोग मिला। कार्यक्रम में स्मृति चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया गया। इसके बाद समस्त स्टाफ ने बीईई के घर तक पहुंचाकर भावभीनी विदाई दी। कार्यक्रम में बीसीएम मो.नईम, लेखापाल मनोज सोनकेसरी, बीईई सीएम सिंह, शैलेन्द्र मेरावी समेत समस्त स्टाफ व परिजनों की मौजूदगी रही।

आपसी सहयोग से बड़े से बड़ा कार्य टीम वर्क को करता है प्रदर्शित

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

कक्षा पांचवीं और आठवीं बोर्ड का मूल्यांकन कार्य पूर्ण हो गया है। मूल्यांकन केंद्र शासकीय कन्या रानी अवंती बाई उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में 18 से 31 मार्च तक चले कक्षा 5 वीं व 8 वीं बोर्ड के वार्षिक मूल्यांकन कार्य का समापन हुआ। मूल्यांकन कार्य सफलता पूर्वक पूर्ण होने पर केन्द्र में कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें एपीसी डॉ. शेषमणि गौतम ने बताया कि मूल्यांकन एक प्रक्रिया है, जिसमें शिक्षकों और विद्यार्थियों के आंकलन का हमे पता चलता है। बीआरसी अनादि वर्मा ने अपने उद्बोधन में कहा कि इतना बड़ा कार्य आपसी सहयोग से कम समय में पूर्ण हो जाना टीम वर्क को प्रदर्शित करता है।

मूल्यांकन केंद्र प्रभारी मिलन सिंह मरावी ने बताया कि पूर्व में किए गए मूल्यांकन एवं इस वर्ष मुझे प्रभारी बनाया गया, इसका अनुभव कुछ अलग ही था एवं मूल्यांकन कार्य में जुटे शिक्षकों द्वारा इस कार्य को सरलतम बना दिया। परीक्षा प्रभारी प्रेमचंद हरदहा ने कहां कि जिस समय परीक्षा चल रही थी, उसी समय से हमने प्लानिंग करके इस बड़े कार्य को समय से पूर्ण कर लिया। सभी शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों के प्रभारी द्वारा मूल्यांकन कर्ताओं की उपलब्धता कराई गई जिससे हिंदी एवं अंग्रेजी माध्यम के उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन कार्य संभव हो सका। हमारे सभी बीएसी, सीएसी, एमआईसी एवं तकनीकी सहयोगियों के सहयोग से अंको की प्रविष्टि उसी दिन पोर्टल पर अंकित कर गति प्रदान की गई।

इस बार सभी सीए के साथियों को मुख्य मूल्यांकन कर्ता नियुक्त किया गया एवं इन्होंने अपने कार्य को बखूबी अंजाम दिया। समय समय पर उच्च अधिकारियों द्वारा मूल्यांकन केंद्र का निरीक्षण किया गया, जिसमें मूल्यांकनकर्ता की उपस्थिति एवं कार्य में निरंतर गति बनी रही। जिला शिक्षा केंद्र से डीपीसी, डीईओ श्रीमती मुन्नी वरकड़े एवं बीईओ श्रीमती कल्पना नामदेव द्वारा निरीक्षण एवं उत्तर पुस्तिकाओं में प्रदत्त अंको की गणना की गई। इस बार शासन के आदेशानुसार सीडब्लूएसएन विद्यार्थियों की गृह आधारित परीक्षा भी सम्पन्न कराई गई है, जिससे कि कोई भी छात्र, छात्रा परीक्षा से वंचित न रहें। अनुरुद्ध पटेल द्वारा सभी मूल्यांकनकर्ताओं का आभार प्रदर्शन किया गया एवं कार्यक्रम का सफल संचालन दिनेश कांडरा जनशिक्षक महाराजपुर ने किया।

विडम्बना — उपचार हेतु नर्मदा पार कर आना पड़ा उत्तर तट में।

स्वास्थ्य सेवा के अभाव में परिक्रमा खंडित

*** दक्षिण तट में स्नान के दौरान घायल हुये ये परिक्रमावासी।**

भूमि न्यूज ⏭ मण्डला

मण्डला महिष्मती नगरी जिसे माँ नर्मदा ने तीनों ओर से घेर रखा है यहीं कारण है कि जो भी माँ नर्मदा की परिक्रमा करता है उसे उत्तर तट हो या फिर दक्षिण तट परिक्रमा के दौरान मण्डला होकर गुजरना ही पड़ता है उत्तर तट से गुजरने वाले परिक्रमावासी जबलपुर फूलसागर की ओर से आकर सहस्त्रधारा, रपटाधाम, हनुमानघाट आश्रम होते हुये डिण्डौरी की ओर लिंगामाल जाते है तो वहीं दक्षिण तट में सूर्यकुण्ड धाम से होकर महाराजपुर संगम पहुंचते हैं जहां से कुछ परिक्रमावासी दक्षिण तट में घंसौर की ओर जाकर परिक्रमा आगे बढ़ाते हैं तो बहुत से परिक्रमावासी कारीकोन तिराहा होते हुये सुरंगदेवरी, सिलपुरा, घाघा होते हुये अहमदपुर की ओर प्रस्थान करते हैं। दक्षिण तट के इस क्षेत्र में लगभग 50 किलोमीटर कोई भी ऐसा बड़ा अस्पताल या स्वास्थ्य केन्द्र नहीं हैं जहां प्रतिकूल परिस्थिति में परिक्रमावासियों को स्वास्थ्य सेवा या उपचार उपलब्ध हो सके। पिछले दिनों सड़क दुर्घटना में घायल एक परिक्रमावासी माता जी को जहां जान से हाथ धोना पड़ा तो वहीं उनके पति जो गंभीर रूप से घायल थे उपचार हेतु उत्तर तट स्थित जिला चिकित्सालय लाना पड़ा था।

ज्ञात हो कि परिक्रमा के दौरान कोई भी परिक्रमावासी माँ नर्मदा जी को पार नहीं करते हैं न तो पैदल न ही नाव के द्वारा और न पुलों के माध्यम से। तट पार करने पर परिक्रमा खंडित मानी जाती है दक्षिण तट से उत्तर तट उपचार हेतु आने पर इन परिक्रमावासी संत की परिक्रमा खंडित हो गई थी इसी तरह का एक वाक्या शनिवार को घटित हुआ जब शुक्रवार को महाराजपुर संगम घाट में स्नान पूजन के दौरान पैर फिसलने से राजस्थान प्रदेश के एक संत घायल हो गये जिनके बायें कंधे पर गंभीर चोट थी उपचार के लिये 108 एम्बुलेंस को बुलाया गया एम्बुलेंस द्वारा जिला चिकित्सालय ले जाने की बात कही गई जिसके लिये नर्मदा पुल पार कर उत्तर तट जाना जरूरी था क्योंकि जिला चिकित्सालय उत्तर तट पर ही स्थित है 108 एम्बुलेंस के लोगों से बार-बार निवेदन किया गया कि आप बम्हनी स्वास्थ्य केन्द्र या फिर नैनपुर चिकित्सालय पहुंचा दीजिये लेकिन उन्होंने इसके लिये असमर्थता जाहिर की और तकनीकि एवं प्रशासनिक कारण बताये मजबूरन कोई और विकल्प न देखते हुये घायल परिक्रमावासी संत को नर्मदा नदी पार कर उत्तर तट लाना पड़ा और उन्हें जिला चिकित्सालय में उपचार के लिये भर्ती कराया गया। दक्षिण तट पर स्वास्थ्य सुविधायें परिक्रमावासियों के लिये उपलब्ध हो इसकी मांग काफी लम्बे समय से की जा रही है लेकिन न तो जिला प्रशासन और न ही शासन के प्रतिनिधियों ने इस ओर ध्यान दिया जबकि पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान अपनी सरकार के प्रतिनिधियों के साथ नर्मदा परिक्रमा कर चुके हैं और वे एवं उनकी सरकार इस समस्या से वाकिफ हैं।

खबर संक्षेप

नये शिक्षा सत्र की शुरुआत आज से, छात्रों के स्वागत की शिक्षण संस्थाओं ने की तैयारियाँ

गाडरवारा। शासन के आदेश अनुसार क्षेत्र के सभी शासकीय स्कूलों में आज 1 अप्रैल से स्कूल शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार नए शिक्षण सत्र 2024-25 की शुरुआत हो रही है। नये शिक्षा सत्र के शुभारंभ पर नव प्रवेशी छात्र छात्राओं स्वागत तिलक लगाकर किए जाने के निर्देश दिए गए है । नये सत्र के शुरूआत में छात्र छात्राओं के स्वागत को लेकर शिक्षण संस्थाओं द्वारा तैयारियाँ पूरी कर ली गई है। वही बताया जाता है कि राज्य शिक्षा केन्द्र द्वारा जारी निर्देशो के अनुसार आज 1 अप्रेल को ही बालसभा के आयोजन एवं विशेष भोज दिए जाने की बात भी कही गई है। जिन कक्षाओं की परीक्षाओं के नतीजे अभी नही आये है उन कक्षाओं के छात्र छात्राओं को अगली कक्षा में प्रावधिक प्रवेश देने के निर्देश दिये गए है। इस तरह नए सत्र के अप्रैल माह में ही छात्र छात्राओं के पालकों की बैठक आयोजित कर उन्हें उनके बच्चों के परीक्षा परिणामो से अवगत कराने की बात भी निर्देशों में कही गई है। नए सत्र की शुरुआत में ही प्राथमिक व माध्यमिक वर्ग के छात्र छात्राओं को प्रयास अभ्यास पुस्तिकाएं प्रदान की जाएंगी जिन पर छात्र छात्राएँ अभ्यास कार्य करेंगे। इसके अलावा वार्षिक परीक्षा के प्रश्न पत्रों का विश्लेषण भी कर कठिन बिंदुओं का समाधान किया जाएगा।

पुलिस की आंखों के सामने से गुजर रहे ओवर लोड वाहनों की सच्चाई को किया जा रहा नजरअंदाज

सांईखेड़ा। भले ही पुलिस द्वारा यातायात नियमों की दुहाई देते हुये जहां तहां सड़को पर खड़े होकर आये दिन छोटे वाहन चालकों के खिलाफ कार्यवाही करते हुये उनके चालान काटने से नही चूकती है, मगर उन ओवर लोडिंग वाहनों को क्यों नजर अंदाज किया जाता है यह सच्चाई जहां समझ से परे होते हुये जान पड़ रही है। वही दूसरी ओर यही कारण क्षेत्र में घटित होने वाली बड़ी दुघर्टनाओं में तब्दील होने से नही चूकता है? यदि सांईखेड़ा क्षेत्र की सच्चाई पर गौर किया जावे तो क्षेत्र की सड़को पर जिस प्रकार से ओवर लोडिंग सवारी वाहन दौड़ते हुये देखे जा रहे है उसे देखकर इस बात का अंदाजा आसानी से लगाया जा सकता है कि इस प्रकार की ओवर लोडिंग पुलिस की मिली भगत के बगैर हो पाना तो संभव हो ही नही सकता है? क्योंकि वाहन चालकों द्वारा जिस प्रकार से यातायात नियमों को दर किनार करते हुये अपने वाहनों के अंदर भेड बकरी के समान सबारी बैठाई जाती है उससे कही अधिक सवारी वाहनों के पीछे लुमा दी जाती है

गांव गांव लकड़ी माफिया हुये सक्रिय, हरियाली के दुश्मनों पर प्रशासन की चुप्पी खड़े कर रही सवाल

सालीचौका। इस समय देखा जा रहा है कि जिस प्रकार से क्षेत्र की जंगलों को लकड़ी माफियों द्वारा रातो रात सफाया किया जा रहा है जिसको लेकर स्थानीय वन विभाग की कार्य प्रणाली चर्चाओं में बनी हुई है? वही दूसरी ओर क्षेत्र में जहां तहां बबूल के पेड़ो की कटाई होने के साथ उनका अवैध रूप से दूसरे प्रांतों में परिवहन होना वन विभाग के अधिकारियों पर मिली भगत का संदेह पैदा करते हुए जान पड़ रहा है? जबकि शासन द्वारा बीते हुये वर्ष लगभग 53 प्रकार के वृक्षों की कटाई पर प्रतिबंध लगाते हुये उनके परिवहन पर भी प्रतिबंध लगाया गया है जिसमें बबूल भी शामिल होने की बात कही जाने के उपरांत भी देखा जा रहा हे कि धडल्ले से बबूल के पेडों को काटने के साथ साथ उनकी लकड़ी का परिवहन होना अनेक प्रकार के संदेहों को जन्म दे रहा है।

जनप्रतिनिधियों से लेकर ब्लाक स्तर के अधिकारी हो सकते है बेनकाब....?

जंगल क्षेत्र के पंचायतों में शासन की राशि खर्च होने के बाद भी अधूरा पड़े हुये निर्माण कार्य...

गाडरवारा। यह बात अलग है कि बीते हुये पंचायत का कार्यकाल बदले हुये नये पंचायतों के गठन को भी दो साल का समय बीतने को है। मगर यदि पंचायतों द्वारा जिस तरह विकास कार्यो में नाम पर शासन की राशि की होली खेली गई है उसकी सच्चाई जंगल क्षेत्र के उन गांवों में देखने आसानी से मिल सकती है जहां पर विकास कार्यो के नाम पर पैसा तो खर्च हुआ है। मगर आज भी अनेक पंचायतों में अधूरे पड़े हुये विकास कार्य पंचायत के बीते हुये कार्यकाल से लेकर वर्तमान पंचायत के जनप्रतिनिधियों सहित ब्लाक स्तर पर बैठे हुये अधिकारियों की गफलत बाजी की सच्चाई को उजागर करने से नही चूक रही है? इस बात की सच्चाई जनपद पंचायत चीचली के अंतर्गत आने वाले जंगल पट्टी की अनेक पंचायतों में असानी से देखने मिल सकता है। बताया जाता है कि पंचायतों द्वारा यहां के गांवों में निर्माण कार्यो के नाम पर सरकारी राशि खर्च तो कर डाली है। सरकारी धन खर्च होने के बाद भी जहां निर्माण कार्य आज भी अधूरे दिखाई दे रहे है तो दूसरी ओर स्वच्छता के नाम पर लाखों रूपया खर्च होने के साथ साथ पंचायतों द्वारा अधिकारियों की मिली भगत से कागजों में जहां ओडीएफ इसके बाद ओडीएफ प्लस के रिकार्ड के दस्ताबेजों में नई नबेली दुल्हन की तरह सजाकर जिम्मेदार अधिकारी स्वच्छता सर्वेक्षण के नाम पर उत्कृष्ट पुरूस्कार लेने के हकदार बनने में भी कोई कसर नही छोड़ी गई है? मगर इन पंचायतों की सच्चाई इस तरह से देखने मिल रही है कि लोगों के घरों में आज भी अधूरे पड़े हुये शौचालय गफलतबाजी का अधिकारियों को आईना दिखाने से नही चूक रहे है और शौचालय निर्माण के लिये खोदे गये गड्ढे लोगों के लिये कचरादान बन जाने के कारण शोभा की सुपारी बनकर रहे गये है? मगर इस सबके बाद हैरत तो इस बात को लेकर देखने मिल रही है कि जिले से लेकर तहसील स्तर पर देश में आयोजित होने वाली सबसे बुद्विमान दर्ज की परीक्षा को सफल करने अधिकारियों के हाथों में बागडोर होने के बाद भी उनके अधिनस्थ आने वाले क्षेत्रों में इस तरह दौड़ रही गफलत बाजी की रैलगाड़ी को वह खुद ही हरि झंडी दिखाते हुये नजर आने से नही चूक रहे है? यह बात अलग है कि जब जिले से लेकर तहसील स्तर पर बैठे हुये अधिकारियों द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों का दौरा किया जाता है कि इसकी जानकारी ब्लाक से लेकर पंचायत स्तर के अधिकारियो को पहले ही मिल जाने के चलते वह अपनी पंचायतों को दुल्हन की तरह सजाते हुये अधिकारियों के स्वागत हेतु तैयार तो कर लिया जाता है और इसी के चलते यहां की वास्तविक सच्चाई उजागर होने से बच जाती है? यदि यही सक्षम अधिकारी अचानक बगैर किसी पूर्व सूचना के जंगल क्षेत्र के इन गांवों को अचानक दौरा कर लेवे तो हरिभूमि द्वारा उठाई जाने वाली इस सच्चाई पर मुहर लगने से नही चूक पायेगी? मगर वह कहाबत है कि थोडे थोड़ में सभी की सोंझआई होती है तो नीचे से लेकर ऊपर तक अधिकारियों को सब कुछ दीप की आग के सामने काली लता भी हरियाली फैलाते हुये शीतलता का प्रसाद बटने से नही चूक पाया है? जनपद पंचायत चीचली के अंतर्गत आने वाली अनेक ग्राम पंचायतों के गांवों का रूख किया जावे तो यहां पर हाई स्कूल से लेकर शमशान घाट सहित शौचालयों का अधूरे पड़े हुये निर्माण कार्य तथा गांवों में फैल रही गंदगी जो देश के प्रधान मंत्री से लेकर प्रदेश में मुख्यमंत्री के स्वच्छ भारत के सपने का ग्रहण लगाते हुये देखी जा रही है । वह निश्चित तौर से निष्ठावान बनकर उत्कृष्ट पुरूस्कार के लिये ताल ठोकने वाले अधिकारियों की पोल खोलने में कोई कसर नही छोड़ेगे? वही दूसरी ओर यदि जो निर्माण कार्य हो भी चुके है तो वह चंद दिनों के अंदर टूटते हुये अपनी गुणवत्ता की कहानी बया करने से नही चूक रहे है। तो दूसरी ओर सरोबर तालाबों के निर्माण पर लाखों रूपया की राशि खर्च करते हुये दो झुरैईयों के बीच तालाब तैयार करते हुये शासन की राशि का किस तरह पंचायत से लेकर ब्लाक व जिला स्तर के अधिकारियों द्वारा बंदर बांट किया गया है इस बात की सच्चाई जनपद पंचायत चीचली के अंतर्गत आने वाली जंगल पट्टी क्षेत्र की पंचायतों में आसानी से देखने मिल सकता है? यदि पंचायतों के पूर्ण हो चुके निर्माण कार्यो की किसी निष्ठावान अधिकारी से जांच कराई जावे तो सच्चाई अपने आप ही उजागर होने से नही बच पायेगी? मगर सबाल यह पैदा हो रहा है कि जन सक्षम अधिकारियों के लिये जिले से लेकर तहसील स्तर पर निगरानी करने के जिम्मेदारी सौपी गई है वह अपने कार्यालयों से निकलना तक उचित नही समझते है और दूसरी ओर मान लिया जावे कि जब कभी कही किसी पंचायत या क्षेत्र का निरीक्षण करने की औपचारिकता निभाई जाती है तो वहां के अधिकारियों व कर्मचारियों को पहले से ही सूचना देखकर पहुंचने के चलते गफलत बाजी की सच्चाई आंखों से ओझल होने से नही चूक पाती है? इसी का परिणाम है कि जिले से लेकर तहसील स्तर पर बैठे हुये सक्षम बुद्विमान अधिकारियों की उदासीनता के चलते ब्लाक स्तर से लेकर पंचायत स्तर पर बैठे हुये कर्मचारियों द्वारा पूर्णरूप से पंचायतों के विकास कार्यो के नाम पर शासन की राशि की होली खेलते हुये विकास कार्यो की गति को मात्र कागजों पर चलाते हुये देखने मिल रहा है? यदि जिले से लेकर तहसील स्तर पर बैठे हुये सक्षम अधिकारियों द्वारा अचानक गोटीटोरिया क्षेत्र के जंगल पट्टी की ग्राम पंचायतों का अचानक दौरा किया जावे तो निश्चित तौर से पंचायतों के बीते हुये कार्यकाल से लेकर वर्तमान पंचातयों के दो साल के कार्यकला के दौरान शासन की राशि खर्च होने के बाद भी अधूरे पड़े हुये निर्माण कार्य पंचायत से लेकर ब्लाक तथा जिला स्तर के सक्षम अधिकारियों की कार्य प्रणाली उजागर होने से नही बच पायेगी?

पुलिस ने युवक को देशी कट्टा के साथ किया गिरफ्तार

आमजन के बीच दहशत फैलाने का किया जा रहा था प्रयास..

गाडरवारा। आने वाले कुछ दिनों बाद जिले में होने जा रहे लोकसभा चुनाव को लेकर जिला कलेक्टर द्वारा सभी शस्त्रों में लाईसेंस निरस्त करते हुये उन्हें पुलिस थानों में जमा करने के आदेश जारी किये गये थें। इस आदेश के चलते जहां लोगों द्वारा अपने शस्त्र थानों में जमा कर दिये गये है। मगर इसके बाद भी जब लोगों को शस्त्र लेकर घूमते हुये देखा जाता है तो निश्चित तौर से वह अवैध शस्त्र की श्रेणी में आने से नही चूक पाता है? कुछ इसी प्रकार से बीते हुये दिवस उप पुलिस अधीक्षक रत्नेश मिश्रा के मार्ग दर्शन व नगर निरीक्षक उमेश तिवारी के नेतृत्व में पुलिस द्वारा की जा रही गस्त के दौरान एक युवक को अवैध रूप से देशी कट्टा लेकर दहशत फैलाने के प्रयास के दौरान गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की गई है। बताया जाता है कि जिला पुलिस अधीक्षक अमित कुमार व अतिरिक्त जिला पुलिस नागेन्द्र पटेरिया द्वारा जिले में कानून व्यवस्था बनाए रखने एवं लोकसभा चुनाव को लेकर चल रही आदर्श आचार संहिता के नियमानुसार पालन कराने के लिये सभी थाना प्रभारियों को सख्त आदेश जारी किये गये है। इसी के चलते बीते हुये दिवस उप पुलिस अधीक्षक गाडरवारा रत्नेश मिश्रा मार्ग दर्शन में गाडरवारा अनुविभाग क्षेत्र में पुलिस द्वारा संदिग्धों पर पैनी नजर रखते हुये सख्ती के साथ गस्त की जा रही है। वही दूसरी ओर नगर निरीक्षक उमेश तिवारी द्वारा गस्त के लिये बनाई गई अपनी टीम जब रंग पंचमी पर कानून व्यवस्था कस्बा भ्रमण ड्यूटी कर रही थी तो मुखबिर द्वारा सूचना मिली की नगर के चीचली की ओर जाने वाले मार्ग स्थित रेल्वे फाटक के पास एक युवक अपने हाथ में देशी कट्टा लेकर लोगों के बीच दहशत फैलाने का प्रयास कर रहा है। इस सूचना पर नगर निरीक्षक उमेश तिवारी द्वारा अपने वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराये जाने पर जिला पुलिस अधीक्षक अमित कुमार द्वारा आरोपी को कट्टा सहित पकड़ने के आदेश दिये जाने पर उप पुलिस अधीक्षक रत्नेश मिश्रा के मार्ग दर्शन में एक टीम का गठन किया गया। बनाई गई इस टीम में मुख्य रूप से नगर निरीक्षक उमेश तिवारी के आलवा उप निरीक्षक श्रीराम रघुवंशी, वरिष्ठ आरक्षक राजेश बागरी, आरक्षक एश्वर्य वेंकट, चेतन, कमलेश, बाल किशन रघुवंशी बल्लू को शामिल किया गया था। इस टीम द्वारा मौके पर पहुंचकर घेराबंदी करते हुये अपने हाथ में कट्टा लेकर घूम रहे युवक को पकड़कर जब उससे पूछताछ की गई तो युवक द्वारा अपना नाम सोहले उर्फ शोहेब उर्फ फग्गों पिता नईम उर्फ नहीम खान उम्र 21 वर्ष निवासी मरघटा मुहल्ला विवेकानंद वार्ड गाडरवारा बताया गया। वही पुलिस द्वारा आरोपी को घेराबंदी करते हुये पकड़ने के बाद उसके पास एक 0.32 बोर का देशी रिवाल्वर जप्त की गई। वही जप्त की गई इस रिवाल्वर की कीमत अनुमानित तौर पर दस हजार रूपया आकी जा रही है। वही पुलिस द्वारा आरोपी के खिलफ आयुध अधिनियम की संगत धाराओं के तहत मामला कायम करते हुये जांच में लिया गया है। वही आरोपी को गिरफ्तार करने के बाद मा. न्यायालय के समक्ष पेश किया गया। इस तरह अवैध रिवाल्वर के साथ युवक को गिरफ्तार करने में पुलिस सफल तो हो गई है। मगर सबाल यह पैदा हो रहा है कि आखिरकार यह देशी रिवाल्वर युवक के पास आया कहा से.., क्या पुलिस इस बात का पता लगाने में सफल हो पायेगी? इस तरह अवैध रूप से युवक रिवाल्वर लेकर घुमते हुये पकडाया गया है उससे यह बात उजागर होने से नही चूक रही है कि क्षेत्र में मादक पदार्थो के साथ साथ हथियारों का भी धंधा जोरों पर फल फूल रहा है..? वही दूसरी ओर पकड़ेगये आरोपी सोहेल उर्फ शोहेब खान के संबंध में बताया जाता है कि पुलिस थाने में इसके पहले से भी अनेक मामले दर्ज है जिसमें आमजन के साथ मारपीट करना, घरमें घुसकर चोरी करने सहित अवैध रूप से हथियार लेकर घूमने सहित कुल 9 मामले दर्ज है।

स्थानीय परीक्षाओं के हुये परिणाम घोषित, अपना परीक्षा फल जानने बच्चों में देखने मिल रहा उत्साह

गाडरवारा। इस बात से इंकार नही किया जा सकता है कि जब कोई परीक्षा की घडी आती है तो छोटे से लेकर बड़े बडे लोगों के दिलों में चिंता पैदा करने से नही चूकती है और इसी के चलते परीक्षा शब्द लोगों की धडकने बढ़ाने वाला माना जाता है। कुछ इसी प्रकार से बीते हुये दिनों नगर व क्षेत्र के स्कूलों में संपन्न हुई वोर्डे परीक्षाओं को लेकर जहां बच्चों को उनके परिणाम का इंतजार है। मगर स्थानीय स्तर की परीक्षाओं के परिणाम घोषित हो जाने के चलते बच्चों में काफी उत्साह देखने मिल रहा है। इसी के चलते क्षेत्र की शासकीय शालाओं में कक्षा 3 व 4 तथा कक्षा 6 एवं 7 वी के परीक्षा परिणाम घोषित किए गए। बीते हुये शिक्षा सत्र के अंतिम दिवस यानि की 30 मार्च 2024 दिन शनिवार को स्कूलों में परीक्षा परिणाम की जानकारी हासिल करने अनेक छात्र छात्राएँ स्कूल पहुंचे एवं उन्होंने सूचना पटल पर संस्थाओं द्वारा चस्पा किए गए अपने परीक्षा परिणाम को देखकर अपने अंक व ग्रेड जानकारी हासिल करने के चलते जहां अनेक बच्चों के चेहरों पर मुस्कान देखने मिली तो कुछ के चेहरों पर मासूसी के बादल छाते हुये नजर आये। हालांकि अभी छात्र छात्राओं को अंक सूचियां नही मिल सकी है क्योंकि अभी राज्य शिक्षा केन्द्र पोर्टल पर नए निर्देश के अनुसार कक्षा 6 व 7 वी के छात्र छात्राओं का सत्यापन जारी है। वही बताया जाता है कि सत्यापन के तहत छात्र छात्राओं की त्रुटिपूर्ण जानकारी सुधारकर अपडेट की जा रही है। संभवतः सत्यापन उपरांत ही छात्र छात्राओं को अंकसूचियां दिए जाने की योजना है। उल्लेखनीय है कि उक्त परीक्षाएँ 29 फरवरी से शुरू हुई थी जिनके संपन्न होने के बाद सभी शिक्षक परिणाम तैयार करने में जुट गए थे । राज्य शिक्षा केंद्र द्वारा परीक्षा परिणाम तैयार करने के निर्देशों में बार बार परिवर्तन से शिक्षको को असुविधा तो हुई लेकिन स्कूलों में समय पर परिणाम तैयार हो गया । वही दूसरी ओर बताया जाता है कि कक्षा 5 एवं 8 वी बोर्ड पैटर्न पर आधारित परीक्षाओ का मूल्यांकन लगभग पूर्ण हो जाने की खबर है जिसके चलते इन परीक्षाओं के परिणाम भी अप्रैल माह में राज्य शिक्षा केंद्र के माध्यम से घोषित किये जाने का अनुमान है।

मूक पशुओं की रक्षा के लिये जागरूकता की आवश्यकता

गाडरवारा। अक्सर देखा जाता है कि लोग अपने उपयोग के लिये पशुओं को पालते जरूर है। मगर जिस प्रकार से उनका उपयोग करते हुये उनकी देखरेख में बरते जाने वाली कोताही का परिणाम इस प्रकार से देखा जाता है कि मूक पशुओं की जिन्दगी खतरे में पड़ने से नही चूकती है, क्योंकि अक्सर देखा जाता है कि जहां लोग गायों का दूध निकालते हुये उन्हें शहरों में सड़को पर इस प्रकार से छोड़ दिया जाता है जिसके चलते वह आम लोगों के लिये परेशानी का कारण तो बनते है साथ ही साथ उन मूक पशुओं की जिन्दगी भी खतरे में पड़ने से नही चूकती है? कुछ इसी प्रकार का हाल ग्रामीण क्षेत्रों में भी देखने मिलता रहता है जहां पर लोगों द्वारा अपने घरों में पशुओं को पालते हुये उनका उपयोग तो रकते है मगर उन्हें घरों के पास बांधते हुये इस बात का ध्यान पर ध्यान देने से भूल जाते है कि इस समय पड़ रहे गर्मी के दौरान जहां लोग अपने घरों के अंदर पंखा कूलर छोड़ने का मन नही बना पाते है और मूक पशु तपती हुई धूप के बीच बंधे हुये चुपचाप खड़े रहते है। इस प्रकार से पशुओं के प्रति अनदेखी करने वाले पशु मालिकों के खिलाफ जहां एक जागरूकता की जरूरत है। वही दूसरी ओर कानूनी कार्यवाही की जरूरत भी महसूस करने से नही चूक पा रही है? क्योंकि यदि इस प्रकार से पशु मालिकों द्वारा अपने मूक पशुओं के प्रति की जाने वाली अनदेखी के चलते उन्हें प्रताड़ित होने के लिये छोड़ दिया जाता है तो कार्यवाही शुरू हो जावे तो निश्चित ही इस प्रकार से अपने स्वार्थो को पूर्ण करते हुये इन मूक पशुओं को प्रताड़ना देने वालों पर अंकुश लग सकता है?

नगर में अनेक जर्जर स्थिति में पहुंचे पुराने मकान दे सकते हैं किसी बड़ी घटना को अंजाम, समय रहते ध्यान देना जरूरी

गाडरवारा। शहर में नयी कालोनियां विकसित हो रही है, जिनमें नई डिजाईन के मकान लगातार निर्मित हो रही है पर दूसरी ओर शहर में ऐसे सैकड़ों पुराने मकान दिखायी पड़ रहे है, जिनकी आयु अधिक होने से वे जर्जर होने की कगार पहुंच चुके है और लोगों की जिन्दगी के लिये खतरे की घंटी बजाने से नही चूक पा रहा है, जिसके चलते बारिश के दिनों में यदि इन मकानों की सच्चाई पर गौर किया जावे तो वह जहां तहां से धसकने की स्थिति में होने के कारण तेज हवा व बारिश की स्थिति निर्मित होने के दौरान कभी भी ढहने की संभावना से इंकार नही किया जा सकता है? यदि ऐसा होता है तो निश्चित ही नगर में किसी दिन कोई बड़ी घटित होने की संभावना से भी इंकार नही किया जा सकता है तो दूसरी ओर इस प्रकार के मकानों के ढहने की आशंका से उनके आस पास रहने वाले लोग परेशान दिखाई देते हुये जान पड़ रहे है? बताया जाता है कि इन जर्जर भवनो के ही समान नगर में कुछ शासकीय विभागों के अधीन आने वाले भवन भी खस्ता हाल हो गए है और उनमें लगी सागौन की लकड़ी, खपड़े चोरी जाने से वे पूरी तरह असुरक्षित देखे जा रहे है। मगर इसके बाद भी प्रशासन द्वारा इस ओर किसी भी प्रकार का ध्यान नही दिये जाने के कारण चिंता जनक सच्चाई उजागर होते हुये जान पड़ रही है। ज्ञातव्य है कि कथित तौर पर अपने उम्र दराज जर्जर मकानो की मरम्मत में इसलिए उनके मालिक पैसा लगाना नही चाह रहे है। क्योंकि उनकी नई पीढी का इन मकानों से मोह भंग हो गया है और वह प्लेट, डयूलेक्सो में रहना पसंद करने लगे है, जिसके चलते इन मकानों को इसी हालत में छोड़ दिया गया है। गौरतलब है कि पूर्व में प्रशासन से नगर के जर्जर मकानों को चिन्हित कराने की मुहिम शुरू करने का संकेत दिया था। किंन्तु अंजाने कारणों से इस अभियान को अमलीजामा नही पहनाया गया जिसका नतीजा है कि शहर में सैकड़ो की संख्या में खड़े हुये जर्जर मकान बड़ी घटना को आमंत्रण देते हुये जान पड़ रहे है जो अपनें शानदार अतीत पर ऑसू बहाते हुए ऑधी, तूफान बारिश की मार झेलते हुए किसी तरह अपना अस्तित्व बचाये हुये है। मगर यदि इस प्रकार के मकान किसी दिन गिरते है तो निश्चित ही आसपास में निवास करने वाले लोगों की जिन्दगी के लिये बहुत बड़ा खतरा साबित होने से नही चूक पायेगे? इसी बात को ध्यान में रखते हुये आमजन द्वारा शासन प्रशासन से गुहर लगाई जा रही है कि नगर के अंदर इस प्रकार के उम्र दराज भवनों को चिन्हित करते हुये कार्यवाही करने की प्रक्रिया शुरू की जावे, जिससे नगर में किसी बड़ी घटना घटित होने से बच सके।

कहीं कुत्तों से न फैल जाए बीमारी

गाडरवारा। इन दिनों देखा जा रहा है कि शहर में अधिकतर आवारा कुत्तें खुजली बीमारी की चपेट में जान पड़ रहे है। इससे गली चौराहों से आने जाने वाले लोगों की परेशानियां बढ़ रही है, वही दूसरी ओर इन बीमार कुत्तों से अन्य कुत्तें तो चपेट में आ ही रहे है बल्कि इंसानों में भी यह बीमारी फैलने की आशंका है? यूं फैलती है बीमारी-आवार कुत्तों को अमूमन खुजली की बीमारी फंगस, फफूंद तथा पैरासाइट की वजह से होती है, पालतू कुत्तों की समय समय पर सफाई होने से इनमें बीमारी कम पाई जाती है। लेकिन आवारा कुत्तों में सफाई के अभाव में बीमारी ज्यादा होती है जो बातावरण में फैलाता प्रदूषण भी मुख्य कारण है, प्रदूषित पानी पीने या प्रदूषित धूल कण में लेटने से भी खुजली की बीमारी की समस्या पैदा हो रही है। इंसानों को भी खतरा-पशु चिकित्साकों के अनुसार खुजली से पीड़ित कुत्तें बीमारी से परेशान होकर इधर उधर तेजी से घूमतें है, जिससे पास से निकलने वाले लोगों को भी इनके कीटाणु फैलतें है।

खबर संक्षेप

मवेशी चरा रहे ग्रामीण को लोमड़ी ने काटा

मेंहदवानी। पुलिस थाना मेंहदवानी अन्तर्गत ग्राम बर्रई में रविवार की सुबह लगभग 7 बजे खेत में मवेशी चराने गए अधेड़ युवक पर जंगली जानवर लोमड़ी ने हमला कर दिया और उसके चेहरे में काट लिया जिससे गम्भीर चोट आई है। जानकारी के अनुसार ग्राम बर्रई निवासी 55 वर्षीय इन्देलाल पिता बाबूलाल यादव अपने खेत में मवेशी चरा रहा था तभी अचानक जंगली लोमड़ी ने हमला कर चेहरे में बुरी तरह से काट लिया। अचानक हुए लोमड़ी के हमले से बचने ग्रामीण भागा तो गिर गया जिससे हाथ पैर में भी चोटें आईं हैं। लोमड़ी के हमले से घायल अधेड़ को परिजनों ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मेंहदवानी में भर्ती कराया जहां उपचार चल रहा है। परिजनों ने इसकी सूचना मेंहदवानी पुलिस एवं वन विभाग को दी है।

केल्हौरी में आकाशीय बिजली की चपेट में दो बैलों की मौत

चचाई। ग्राम पंचायत केल्हौरी चचाई में 30 मार्च के शाम करीब 4 बजे अचानक मौसम बदलने तेज हवा पानी के बीच आकाशीय बिजली गिरने से ग्राम केल्हौरी के किसान श्यामलाल चौरसिया के दो बैल जिन्हें एक माह पूर्व 25000 में खरीद कर किसान द्वारा लाया गया था इस आकाशी बिजली की चपेट में आने से उनकी मृत्यु हो गई जबकि एक तीसरा बैल घायल अवस्था में है जिससे किसान का परिवार दहशत में है अच्छी बात तो यह रही कि उस वक्त वहां पर किसी के न होने से कोई जनहानि नहीं हुई जानकारी लगते ही जिला मुख्यालय अनूपपुर से प्रशासनिक हमला पहुंचकर ग्राम के पशु चिकित्सक रमेश सिंह ओयाम को मौके पर जाकर पीएम एमएलसी जैसे आवश्यक कार्रवाई करने हेतु निर्देशित किया गया ताकि पीड़ति कृषक को क्षतिपूर्ति मिल सके व घायल बैल का उपचार आदि की कार्यवाही हेतु पशु चिकित्सा मौके पर पहुंच गए।

कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक ने एसएसटी नाका बड़छड़ का लिया जायजा

उमरिया। लोकसभा निर्वाचन 2024 को दृष्टिगत रखते हुए उमरिया एवं कटनी के बार्डर पर बनाये गये एसएसटी नाका बड़छड़ का कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी धरणेन्द्र कुमार जैन, पुलिस अधीक्षक निवेदिता नायडू ने निरीक्षण किया। दल उपस्थित पाया गया। सुबह 08 बजे से निरीक्षण के समय तक 115 वाहनों की जांच की गई थी। उन्होंने एसएसटी दल के सदस्यों को निर्देश दिए कि नाके से गुजरने वाले सभी दो पहिया एवं बड़े वाहनों की सघनता से जांच की जाए। अपनी उपस्थिति में नाके से गुजरने वाले वाहनों की जांच भी कराई।

अवैध मदिरा विक्रय एवं धारण के विरूद्ध की गई कार्यवाही

उमरिया। लोकसभा चुनाव 2024 को दृष्टिगत रखते हुए अवैध मदिरा के विक्रय, संग्रह व परिवहन पर रोक हेतु कार्यवाही की गई है। कार्यवाही दौरान वृत्त उमरिया, पाली, नौरोजाबाद एवं मानपुर माह फरवरी में 16 मार्च से 29 मार्च तक जिले में कुल 87 अपराधिक प्रकरण पंजीबद्ध किये, जिसमें जप्ति की मात्रा 198 लीटर हाथमट्टी शराब, 6240 कि. ग्रा. महुआ लाहन 6 ब.ली. देशी मदिरा प्लेन एवं 2 ब.ली. विदेशी जप्त कर आबकारी अधिनियम 1915 की धारा 34 (1) के तहत $कुल 87 जाकर विवेचना में लिये गये है। जिसका अनुमानित मूल्य 15,82,680 है ।

शासकीय महाविद्यालय मे किया गया विशेष शिविर का आयोजन

राजनगर। शासकीय महाविद्यालय राजनगर में मध्यप्रदेश उच्च शिक्षा विभाग के निदेर्शानुसार राष्ट्रीय सेवा योजना अंतर्गत विशेष शिविर का आयोजन ग्राम पंचायत बनगवां (शांतिनगर) में शासकीय पूर्व माध्यमिक विद्यालय में 30 मार्च से 5 अप्रैल तक किया जा रहा है। जिसमें प्रथम दिवस शिविर का शुभारंभ गणमान्य नागरिकों एवं कॉलेज स्टाफ के साथ किया गया।

पूर्व मुख्यमंत्री की उम्मीद में फिरा नाले का पानी, ना रुकी गंदगी, ना फिल्टर हुआ पानी

एनजीटी के आदेश की हो रही अवेहलना

डिंडौरी शहर से निकलने वाले गंदे नालों का पानी सीधे नर्मदा नदी में समाहित हो रहा है। जिसके कारण नर्मदा नदी दूषित हो रही है। नगर परिषद की तरफ से नाली का पानी रोकने ठोस प्रबंधन नहीं किया जा रहा है।

हरिभूमि न्यूज डिंडौरी। जानकारी के अनुसार नगर परिषद ने नगर के नालों को नर्मदा में जोड़ तो दिया है लेकिन इनको बंद करने का प्लान अभी तक तैयारी नहीं की है। नगर परिषद ने गंदा पानी को रोकने का प्रस्ताव तो बनाया है लेकिन वह सिर्फ कागजों तक ही सीमित रह गया है। जिसके कारण नगरवासियों को दूषित पानी पीने को मजबूर होना पड़ता है। ऐसे में नगर के लोगों को कई गंभीर बीमारियों से ग्रसित होने का भी डर सता रहा है। प्रमुख त्योहारों में नर्मदा स्नान करने बड़ी संख्या में लोग पहुंचते हैं। ऐसे में दूषित जल कहीं न कहीं लोगों के स्वास्थ्य को प्रभावित करता है। नगरवासियों की मांग है कि नर्मदा में समाहित होने वाले गंदे पानी को रोकने उचित प्रबंधन किया जाना चाहिए।

नालों के माध्यम से कचरे का भी प्रवेश

नगर में समय पर साफ सफाई न होने के कारण घरों से निकलने वाले कचरे को नालियों में डाल दिया जाता है, जो पानी के साथ बहकर नदी में मिल जाता है। जिसके कारण पानी दूषित हो रहा है। इसके साथ संक्रमण का खतरा भी बना रहता है।

-पूर्व मुख्यमंत्री ने भरा था दम

वर्ष 2016 में प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री ने नर्मदा परिक्रमा के दौरान नर्मदा में मिल रहे नालों को रोकने का दम भरा था जो 2 वर्ष में पूर्ण होना था लेकेन स्तिथि आज भी जस की तस है ।

-एनजीटी के आदेश का नहीं हो रहा अनुपालन

एनजीटी द्वारा सम्यक जैन बनाम मध्य प्रदेश शासन में विकासशील आदेश पारित किया था परंतु आज दिनांक तक स्तिथि में सुधार नहीं हुआ ।

-एनजीटी द्वारा निर्देशित किया था की

प्रमुख सचिव, कलेक्टर सहित अन्य को दिशानिर्देशों का पालन करने और यह सुनिश्चित करने के लिए निर्देशित किया गया है कि जल निकायों पर कोई अतिक्रमण नहीं होना चाहिये।

एसटीपी ठेकेदार मेसर्स जे.एम. रामुनी एंड कंपनी, सूरत, गुजरात को निर्धारित समय सीमा के भीतर काम पूरा करने और जिला प्रशासन मासिक रूप से कार्य प्रगति की समीक्षा करेगा।

नगर परिषद क्षेत्र के अलावा पंचायत क्षेत्र अन्तर्गत विकसित हो रहे रहवासी व व्यवसायिक क्षेत्र (साकेत नगर, हंस नगर) नए विकसित हो रहे क्षेत्रों से सीवेज वर्तमान में नगरपालिका सीमा के बाहर और नर्मदा नदी के किनारे पर है, नर्मदा नदी में सीवर की निकासी की गई है। वर्णित क्षेत्रों से सीवेज को टैप करने और निर्माणाधीन एसटीपी में उचित उपचार सुनिश्चित करने के लिए पर्याप्त प्रावधान किए जाएंगे। शहर की सीमा के भीतर अनुचित ठोस अपशिष्ट संग्रहण से संबंधित साइट अवलोकनों कर, एसडब्ल्यूएम नियम 2016 के अनुसार ठोस अपशिष्ट के बेहतर प्रबंधन के लिए एक विशेषज्ञ एजेंसी के परामर्श से यूएलबी डिंडोरी द्वारा ठोस अपशिष्ट संग्रहण नेटवर्क को मजबूत करने के लिए आवश्यक बुनियादी ढांचे को विकसित करेगा। जिला वन विभाग डिंडोरी को नर्मदा नदी के किनारे और नगर निगम सीमा के भीतर उपलब्ध खुली भूमि पर व्यापक वृक्षारोपण करने के निर्देश दिये गये। यूएलबी डिंडोरी जिला प्रशासन के सहयोग से नर्मदा नदी के पास अतिक्रमण और अवैध निर्माण को हटाने के लिए तुरंत आवश्यक कदम उठाएगा। श्मशान घाट के शेष निर्माण कार्य को समय सीमा में पूरा कराया जाये। नए शवदाह घाटों का निर्माण नर्मदा नदी से पर्याप्त दूरी पर किया जाये। स्थानीय प्रशासन द्वारा विशेष रूप से नदी किनारे के गांवों में समय-समय पर जन जागरूकता अभियान चलाया जाये। धार्मिक समारोहों आदि के दौरान ठोस कचरे का उचित निपटान सुनिश्चित करने के लिए जिला प्रशासन द्वारा डिंडोरी शहर की सीमा के भीतर नदी के किनारे हर 50 मीटर की दूरी पर गीले और सूखे कूड़ेदान की स्थापना की जाए। जिला प्रशासन जुर्माना लगाने के लिए पाक्षिक अभियान भी चलाएगा।

-कैबिनेट मंत्री, नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग ने जाहिर की चिंता

मध्य प्रदेश के नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने चिंता जाहिर करते हुए स्पष्ट किया कि नालों का सर्वे करवाया जा रहा है. हमारी नर्मदा मैया पर बहुत श्रद्धा है. हम नर्मदा मैया को मां मानते हैं. नर्मदा नदी में गंदे पानी को मिलने से रोकना सरकार की प्राथमिकता है. मैं आश्वस्त करता हूँ कि 2 साल में नर्मदा नदी में प्रदेश के किसी भी हिस्से से गंदा पानी ना मिले।

इनका कहना है

आपके मध्य से मामला मेरे संज्ञान में आया है, विभाग से फॉलो अप लेकर नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी।

भरत यादव (आयुक्त, नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग)

वर्तमान स्थिति, एनजीटी द्वारा अपने अंतिम आदेश दिनांक 04 अक्टूबर 23 में पारित निर्देशो का घोर उल्लंघन है। इस प्रकार जानबूझकर एनजीटी के निर्देशों की अवेहलना करना कही तक भी उचित नहीं है । लोगो की आस्था को ध्यान में रखते हुए हम कानूनी प्रक्रिया अनुसार उचित कार्यवाही करवाएँगे।

-एड सम्यक जैन (याचिकाकर्ता)

नाले के पानी को रोकने के लिए प्रस्ताव बना हुआ है कुछ काम चल रहे है, जल्द गंदे पानी को रोकने की व्यवस्था बन जाएगी।

-सतेंद्र सालवार
नगरपालिका अधिकारी डिंडौरी

आओ मिलकर अलख जगाएं शत प्रतिशत मतदान कराएं

हरिभूमि न्यूज अमरपुर। शासकीय महाविद्यालय अमरपुर में मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद द्वारा शासन के निर्देशानुसार स्वीप प्लान के अंतर्गत मतदाता जागरूकता कार्यक्रम संपन्न हुआ। जिसमें मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास कार्यक्रम (सी एम सी एल डी पी) के छात्र-छात्राओं, नवांकुर संस्थाओं के कार्यकर्ताओं की उपस्थिति में रंगोली बनाकर शतप्रतिशत मतदान करने हेतु शपथ दिलाई गई। तथा सभी छात्रों को अपने-अपने ग्रामों में दीवार लेखन, रैली, मतदान हेतु शपथ दिलाकर कर मतदाताओं को जागरूक करने हेतु प्रयास करने को कहा गया। इसी प्रकार विकासखंड के प्रस्फुटन समितियों नवांकुर संस्थाओं द्वारा अपने-अपने ग्रामों में दीवार लेखन रैली एवं शपथ कार्यक्रम संपन्न करा कर मतदाताओं को जागरूक करने का प्रयास किया जा रहा हैं। इस कार्यक्रम में मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद अमरपुर के विकासखंड समन्वयक अमरलाल धुर्वे, मेंटर लाल सिंह ठाकुर, मनोज कुमार तन्तुवाय, अशोक कुमार यादव, तिलक सिंह सैयाम, राधेश्याम बनवासी नवांकुर संस्थाओं से अरविंद कुमार यादव, श्याम सिंह धुर्वे, बरतु सिंह मरकाम तथा छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

डिंडौरी आने से मेरी किस्मत बदल गई, चुनाव के बाद पहली फेक्ट्री बजाग में लगेगी- सीएम मोहन यादव

गाडासरई पहुंचे सीएम यादव, चुनावी सभा को किया संबोधित, मोदी सरकार बनाने फग्गन सिंह कुलस्ते के पक्ष में मांगे वोट

- केंद्रीय मंत्री फग्गन सिंह कुलस्ते ने भी हाथ जोड़कर आशीर्वाद मांगा

हरिभूमि न्यूज डिंडौरी।

जिले के तहसील बजाग अंतर्गत व्यावसायिक नगर गाडासरई में मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव पहुंचे। जहां पर उन्होंने नगर में रोड शो किया और चुनावी सभा को संबोधित किया है। मुख्यमंत्री ने भाजपा के उम्मीदवार फग्गनसिंह कुलस्ते को जिताने के लिए लोगो से अपील की तथा डिंडोरी के विकास के लिए अनेक वादे भी किए।

डिंडोरी में खोला जाएगा कृषि महाविद्यालय

आपको बता दें मंडला लोकसभा सीट पर प्रथम चरण में मतदान होने है जिसके उम्मीदवार क्षेत्रीय सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते को पुनः भाजपा ने अपना उम्मीदवार बनाया है उनके पक्ष में वोट मांगने पहुंचे सूबे के मुखिया ने डिंडोरी जिले को अपना किस्मत खोल देने वाला स्थान बताया। साथ ही डिंडोरी में विधि महाविद्यालय, कृषि महाविद्यालय और हार्टीकल्चर आदि की पढ़ाई जल्द शुरू कराने के वादे किए हैं।

बजाग में पहली फेक्ट्री खोलने का वादा

प्रदेश के मुखिया मोहन यादव ने अपनी चुनावी रैली में रोजगार को ध्यान में रखकर रोजगार देने के लिए डिंडोरी जिले में फेक्ट्री खोलना का वादा किया है तथा बजाग क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण यह है कि मुख्यमंत्री ने डिंडोरी जिले में पहली फेक्ट्री बजाग में खोलने की बात कही है।

फग्गनसिंह कुलस्ते ने मोदी सरकार बनाने की अपील

क्षेत्रीय सांसद और केंद्रीय मंत्री फग्गन सिंह कुलस्ते एक बार फिर लोकसभा चुनाव के चुनावी मैदान में हैं और इस सभा में कुलस्ते ने क्षेत्र की जनता से एक बार पुनः मोदी सरकार बनाने के लिए लोगों को भाजपा को वोट देकर आर्शीवाद देने की अपील की। क्षेत्रीय सांसद ने कहा कि क्षेत्र के विकास के लिए कोई कसर नहीं छोड़ी जाएगी, जो बन पड़ेगा हर विकास का कार्य किया जाएगा। रोड़ से जोड़ा गया है और अब रोजगार से जोडा जाएगा। श्री कुलस्ते ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि हमारी पार्टी सभी को सम्मान देती है और चोरों में डर व्यापक रूप से व्याप्त है। हालांकि अपने ही भाषण में सासद महोदय की जवान फिसलने से दुर्भाग्य से अपनी ही मध्यप्रदेश सरकार के 163 सीट आने और मोहन यादव के मुख्यमंत्री बनने को कहा हालांकि भाषणों में जवान फिसलना आम बात है फिर भी वे विधानसभा में अपनी हार को एक चूक करार दिया है और जनमानस को भाजपा को वोट देने की अपील की है। कार्यक्रम में भाजपा लोकसभा चुनाव प्रभारी सहित शहपुरा विधायक ओमप्रकाश धुर्वे, जिला पंचायत अध्यक्ष रूदेश परस्ते, जिला अध्यक्ष अवधराज बिलैया, कार्यालय मंत्री पुनीत जेन, संजय साहू, भाजपा मंडल अध्यक्ष राजेश्वर साहू सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी एवं भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

साधु संतों से सरसंघचालक मोहन भागवत ने किया विचार विमर्श

अनुशासित समाज निर्माण के लिये आश्रमों से बाहर आएं संतगण

अमरकंटक।

मजबूत भारत निर्माण के लियेअनुशासित, चरित्रवान, संस्कारित समाज निर्माण की जरुरत है। जिसके लिये साधू संतों को आश्रमों से बाहर निकल कर आगे आना होगा। छत्रपति वीर शिवाजी की तरह सख्त अनुशासन, संस्कारित जीवन और चरित्रबल के बूते विकसित मजबूत भारत का निर्माण होगा। मां नर्मदा की उद्गम नगरी अमरकंटक पधारे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डा मोहन भागवत ने उपरोक्त विचार साधु, संतों, समाजसेवियों को संबोधित करते हुए व्यक्त किये। रविवार की प्रातः मृत्युंजय आश्रम में एकरसानंद आश्रम के परमपूज्य संत स्वामी हरिहरानंद सरस्वती जी के साथ मंचासीन डा भागवत ने सनातन संस्कृति,हिन्दू धर्म, मजबूत भारत के निर्माण, पर्यावरण संरक्षण पर खुल कर अपने विचार रखे। पवित्र नगरी अमरकंटक के साधु, संतों का अभिनंदन करते हुए डॉ भागवत ने कहा कि महाराज शिवाजी से प्रेरणा लेने की जरुरत है। जिनके संस्कार और चरित्र की दुश्मन भी तारीफ करते थे। इनके जैसा चरित्रवान बनने की आवश्यकता है। संतो के प्रवचन से चरित्र एवं संस्कार के माध्यम से समाज सुधार करवाने में बहुत मदद मिलेगी। हिन्दू समाज के व्यक्तियों को स्वयं को संस्कारित करने की आवश्यकता है। व्यक्ति स्वयं सुधर जाए तो समाज अपने आप विकसित हो जाएगा। देश मे हिन्दू जागरण का अच्छा माहौल है,लेकिन युवा पीढ़ी को शिवा के चरित्र निर्माण की शिक्षा लेने की जरुरत है। दूसरों को उपदेश देने से पहले अपने आचरण में सुधार की आवश्यकता है। संतो के माध्यम और उपदेश से हिन्दू संस्कृति चलती है।

आश्रमों से निकलकर समाज विकास हेतु आगे आना पड़ेगा। अमरकंटक के पर्यावरण को लेकर उन्होंने कहा कि अपने से हमें स्वयं भी वृक्षारोपण करना चाहिए। इससे अमरकंटक को हरा भरा रखने में मदद मिलेगी। इस अवसर पर स्वामी हरिहरानंद जी ने सरसंघचालक को पत्र सौंप कर तीन मांगें रखीं। उन्होंने कहा है कि पूजा स्थल कानून 1991 खत्म हो। मुस्लिम वक्फ बोर्ड खत्म हो। नर्मदा लोक का निर्माण अमरकंटक में हो। अमरकंटक के संत समाज द्वारा जगदीशानंद के माध्यम से भी आश्रमों की लीज बढाने के विषय में एक पत्र सौंपा गया।

नर्मदा मन्दिर में की पूजा

शनिवार की रात अमरकंटक पहुंचे डा मोहन भागवत ने भैया जी जोशी एवं क्षेत्र, प्रांत के वरिष्ठ प्रचारकों के साथ रविवार की सुबह मां नर्मदा उद्गम मन्दिर अमरकंटक में नर्मदा कुंड में पूजा करके नर्मदा माई के दर्शन कर विश्व कल्याण के लिये प्रार्थना की। इस समय मन्दिर परिसर के आसपास कड़ी सुरक्षा व्यवस्था थी। पत्रकारों सहित किसी भी आम व्यक्ति को मन्दिर परिसर में प्रवेश करने से सख्ती से रोक दिया गया।

स्वामी हरिहरानंद सरस्वती से की सौजन्य भेंट

सुबह मृत्युंजय आश्रम में चल रहे विशेष धार्मिक अनुष्ठान मे वे शामिल हुए। प्रमुख संतों, प्रचारकों के साथ उन्होंने यहाँ हवन और आरती में हिस्सा लिया। स्वामी एकरसानंद आश्रम के प्रमुख परमपूज्य संत स्वामी हरिहरानंद सरस्वती जी महाराज के साथ डा भागवत और भैया जी ने सौजन्य भेंट की। यहाँ अतिथि द्वय को महाराज ने आश्रम परिवार की ओर से साल ,श्रीफल और प्रतीक चिन्ह से सम्मानित किया। लगभग एक घंटे तक यहाँ त्रिमूर्तियों के मध्य विविध महत्वपूर्ण विषयों पर आन्तरिक चर्चा होती रही। स्वामी हरिहरानंद ने सभी आश्रमवासियों सहित भागवत का आभार प्रदर्शन करते हुए वक्फ बोर्ड को दी गई शक्तियों को समाप्त करने हेतु निवेदन किया।

संघ के पदाधिकारियों की ली बैठक

आन्तरिक सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक के अमरकंटक आगमन से पूर्व ही यहाँ संघ की दृष्टि से विशेष आन्तरिक तैयारियाँ की गयी थीं। संघ के क्षेत्र, प्रांत ,विभाग, जिले के चुनिंदा पदाधिकारियों को छोड़कर किसी को भी यहाँ प्रवेश की अनुमति नहीं थी। संघ के सामान्य समर्पित स्वयंसेवकों ,भाजपा नेताओं को यहाँ आने की अनुमति नहीं दी गयी थी। बतलाया तो यहाँ तक जा रहा है कि मोहन भागवत के अमरकंटक पहुँचने की सूचना चौबीस घंटे पहले ही सार्वजनिक की गयी थी। रविवार की दोपहर संघ के वरिष्ठ पदाधिकारियों के साथ डा भागवत ने विविध विषयों पर संबोधन किया। इस अवसर पर कार्यक्रम में पधारे प्रमुख संतो महामंडलेश्वर स्वामी हरिहरानंद सरस्वती महाराज, मृत्युंजय आश्रम, श्रीमहंत स्वामी राम भूषण दास महाराज, शांति कुटी, आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी रामकृष्णानंद महाराज, मार्कण्डेय आश्रम स्वामी जगदीशानंद, स्वामी धमार्नंद महाराज, कल्याण सेवा आश्रम, स्वामी लवलीन महाराज, धारकुंडी आश्रम, स्वामी नर्मदानंद महाराज, गीता स्वाध्याय मंदिर, जगतगुरु रामानंदाचार्य स्वामी रामराजेश्वराचार्य, फलाहारी आश्रम,श्रीयंत्र मन्दिर से हरि चैतन्य पुरी, गोपाल आश्रम से हनुमानदास महाराज, अरंडी संगम आश्रम से समाज सेवी त्रिभुवेन्द्र कुमार दास, माई की बगिया से स्वामी शुद्धात्मानंद, नर्मदानंद गीता आश्रम, सोमेश्वर गिरी सोनमुडा के साथ अन्य साधु संतगणों ने अमरकंटक, नर्मदा संरक्षण पर अपने विचार रखते हुए सुझाव दिये।

अभ्यर्थियों की अंतिम सूची प्रकाशन के साथ ही प्रतीक चिन्ह आवंटित

अनूपपुर। शहडोल संसदीय क्षेत्र से लोकसभा के लिए निर्वाचन लड़ रहे निर्वाचन अभ्यर्थियों को कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी तथा रिटर्निंग अधिकारी आशीष वशिष्ठ द्वारा प्रतीक चिन्हों का आबंटन कर दिया गया है। जिला निर्वाचन कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार बहुजन समाज पार्टी के अभ्यर्थी धनीराम कोल को चुनाव चिन्ह हाथी, इंडियन नेशनल कांग्रेस के अभ्यर्थी फुन्देलाल सिंह मार्को को चुनाव चिन्ह हाथ, भारतीय जनता पार्टी की अभ्यर्थी श्रीमती हिमाद्री सिंह को चुनाव चिन्ह कमल, गोड़वाना गणतंत्र पार्टी के अभ्यर्थी अनिल सिंह धुर्वे को चुनाव चिन्ह आरी, पीपल्स पार्टी ऑफ इंडिया (डेमोक्रेटिक) के अभ्यर्थी अमृत लाल सिंह उईके को चुनाव चिन्ह फलों से युक्त टोकरी, छत्तीसगढ़ विकास गंगा राष्ट्रीय पार्टी की अभ्यर्थी डॉ. दुर्गावती भरिया को चुनाव चिन्ह डीजल पम्प, भारतीय शक्ति चेतना पार्टी के अभ्यर्थी रविकरण सिंह धुर्वे को चुनाव चिन्ह बाँसुरी, कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया के अभ्यर्थी समर शाह सिंह गोंड़ को चुनाव चिन्ह बाल और हँसिया, निर्दलीय अभ्यर्थी केशकली बैगा को चुनाव चिन्ह अलमारी तथा निर्दलीय अभ्यर्थी गुन्जान सिंह को चुनाव चिन्ह ऑटो-रिक्शा आबंटित किया गया है। अभ्यर्थियों के अंतिम सूची का प्रकाशन कर दिया गया है। मतदान के लिए 19 अप्रैल तथा मतगणना के लिए 4 जून की तिथि निर्धारित है। रिटर्निंग अधिकारी शहडोल संसदीय क्षेत्र ने बताया कि नाम वापसी की समय सीमा तक किसी भी अभ्यर्थी द्वारा नामांकन वापस नही लिया गया है।

हरिभूमि
नर्मदा भूमि
[करेली | तेंदूखेड़ा | श्रीधाम | सालीचौका | सुआतला | गाडरवारा | राजमार्ग | साईंखेड़ा | चीचली | करकबेल]

जबलपुर, सोमवार 1 अप्रैल 2024
login : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

मतदान केंद्रों पर मतदाताओं की सुविधा का रहेगा ख्याल

नरसिंहपुर । भारत निर्वाचन आयोग द्वारा 16 मार्च को लोकसभा निर्वाचन- 2024 के चुनाव की घोषणा की जा चुकी हैं। जिले में दो चरणों में मतदान किया जायेगा। पहला मतदान लोकसभा क्षेत्र क्रमांक 14- मंडला के अंतर्गत जिले की एक विधानसभा क्षेत्र 118- गोटेगांव में 19 अप्रैल 2024 को और दूसरा मतदान लोकसभा क्षेत्र क्रमांक 17- नर्मदापुरम के अंतर्गत जिले की तीन विधानसभा क्षेत्र 119- नरसिंहपुर, 120- तेंदूखेड़ा व 121- गाडरवारा में मतदान 26 अप्रैल 2024 को सम्पन्न होगा। भारत निर्वाचन आयोग के निदेर्शानुसार मतदाताओं को मतदान केन्द्रों में सुविधायें मुहैया कराई जायेंगी। मतदाताओं को मतदान केन्द्रों में रैंप और व्हील चेयर, ब्रेल लिपि युक्त ईवीएम, विशेष स्वयंसेवक, दिव्यांगजनों एवं वरिष्ठ नागरिकों को प्रवेश में प्राथमिकता, सांकेतिक भाषा और दिव्यांगजनों के लिए परिवहन की सुविधायें सुविधायें प्रदान की जायेंगी।

भाजपा का होली मिलन एवं कार्यकर्ता सम्मेलन आज

नरसिंहपुर । भारतीय जनता पार्टी विधानसभा नरसिंहपुर का होली मिलन एवं कार्यकर्ता सम्मेलन आज शाम 6 बजे से स्टेशन स्थित मून लाइट गार्डन में आयोजित है जिसमें प्रमुख रूप से मध्यप्रदेश शासन के केबिनेट मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल, भाजपा जिलाध्यक्ष इंजी. अभिलाष मिश्रा, पार्टी प्रत्याशी चौ.दर्शन सिंह एवं पूर्व राज्यमंत्री जालम सिंह पटेल उपस्थित रहेगे। कार्यक्रम में सभी पार्टी जनों एवं कार्यकतार्ओं से उपस्थिति की अपील विधानसभा संयोजक सुनील कोठारी द्वारा की गई है।

प्रवेशोत्सव व स्थानीय परीक्षा परिणाम

नरसिंहपुर । आज 1 अप्रैल को प्रातः 10:30 बजे उत्कृष्ट विद्यालय नरसिंहपुर में कक्षा 9 व 11 का परीक्षा परिणाम घोषित किया जावेगा । तत्पश्चात प्रवेशोत्सव का कार्यक्रम होगा जिसमें कक्षावार मेरिट में आये तथा अन्य सभी बच्चों का सम्मान, व निःशुल्क पाठ्यपुस्तकों का वितरण होगा। शाला से सम्बद्ध व सेवानिवृत्त शिक्षको को आमंत्रित किया गया है, साथ ही बच्चों के साथ साथ अविभावकों को भी आमंत्रित किया गया है।

जिला स्तरीय शिकायत नियंत्रण कक्ष स्थापित

नरसिंहपुर । लोकसभा निर्वाचन- 2024 के मद्देनजर नरसिंह भवन कलेक्ट्रेट में जिला स्तरीय शिकायत नियंत्रण कक्ष की स्थापना की गई है। नागरिक आदर्श आचरण संहिता के उल्लंघन की शिकायत दूरभाष क्रमांक व सी विजिल एप्प सहित टोल फ्री नंबर 1950 पर कर सकते हैं।

नही रही अनुराधा शर्मा

नरसिंहपुर । गत दिवस नगर निवासी श्रीमती अनुराधा शर्मा का 35 वर्ष की आयु में लंबी बीमारी के चलते निधन हो गया। आप स्थानीय एएनआई संवाददाता एवं पत्रकार शिवेन्द्र शर्मा की पत्नि थी । अंतिम संस्कार आज प्रातः 11 बजे देवाकछार मार्ग स्थित मुक्तिधाम में किया जावेगा।

आज मंगल कलश यात्रा के साथ

तेंदूखेड़ा- आज 1 अप्रैल से 7 अप्रैल के बीच नगर के प्रतिष्ठित हरसिद्धि मंदिर परिसर में पं मनोज शास्त्री के मुखारविंद से संगीतमय श्रीमद्भागवत ज्ञान यज्ञ सप्ताह का आयोजन किया जा रहा है। आज प्रातः 9 बजे विशाल कलशयात्रा नगर के मुख्य मार्गों से निकाली जायेगी। कथा के आयोजक डा निजाम सिंह पटेल तथा मुख्य यजमान प्रदीप पटेल है। दोपहर दो बजे से शाम छः बजे तक चलने वाली इस कथा का समापन 7 अप्रैल को होगा तथा आठ अप्रैल को भंडारा प्रसाद वितरण किया जायेगा। आयोजक मंडल ने सभी से उपस्थिति की अपील की है।

पुलिस महानिरीक्षक ने ली समीक्षा बैठक

कर्मचारियों की सुनी समस्यायें, दिये आवश्यक दिशा निर्देश

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर । विगत दिवस पुलिस महानिरीक्षक जबलपुर जोन अनिल सिंह कुशवाह द्वारा लोकसभा चुनाव एवं कानून व्यवस्था को दृष्टिगत रखते हुये समीक्षा बैठक आयोजित कर दिए आवश्यक दिशा निर्देश। पुलिस अधीक्षक अमित कुमार एवं जिले के समस्त अधिकारी रहे बैठक में मौजूद। लोकसभा चुनाव 2024 को दृष्टिगत रखते हुए श्री कुशवाह द्वारा पुलिस कंट्रोल रूम नरसिंहपुर में कानून व्यवस्था की समीक्षा की गयी। बैठक के दौरान कर्मचारियों को कार्य करने मे आ रही कठिनाईयों को सुना तथा उनकी समस्या का भी हल निकाला गया तथा आवश्यक दिशा निर्देश दिये ।

असमाजिक तत्वों के विरूद्ध करे प्रतिबंधात्मक कार्रवाई

लोकसभा चुनाव 2024 को दृष्टिगत रखते हुए दिए गए आवश्यक दिशा निर्देश आगामी लोकसभा चुनाव 2024 को दृष्टिगत रखते हुए तैयारियों की समीक्षा करते हुए पुलिस महानिरीक्षक, जबलपुर जोन जबलपुर अनिल सिंह कुशवाह द्वारा चुनावों को शांतिपूर्वक संपन्न कराने हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए साथ ही यह भी कहा गया कि असमाजिक तत्वों के विरूद्ध प्रतिबंधात्मक कार्यवाही की जावे एवं माईनर एक्ट के तहत कार्यवाही एवं स्थायी वारंटों की तामीली अधिक से अधिक किया जाना सुनिश्चित करें। बैठक में जिले के पुलिस अधीक्षक अमित कुमार, अति. पुलिस अधीक्षक, नागेन्द्र पटेरिया एवं सभी अनुभागों के एसडीओपी, थाना प्रभारी एवं चौकी प्रभारी, रक्षित निरीक्षक एवं सभी शाखा प्रभारी उपस्थित हुये।

अपराध नियंत्रण को लेकर कार्यवाही सुनिश्चित करें

समीक्षा बैठक के दौरान पुलिस महानिरीक्षक, जबलपुर जोन जबलपुर द्वारा जिले में अवैध शराब का अवैध परिवहन, विक्रय, अवैध मादक पदार्थ का विक्रय, सट्टा, जुआ एवं रेत माफियाओं एवं समस्त प्रकार के माफियाओं पर सख्ती बरतते हुये क्षेत्र में अवैध कारोबार का पूर्णतः प्रतिबंधित करने हेतु जिले के सभी एसडीओपी एवं थाना प्रभारियों को सख्ती से निर्देशित किया गया है साथ ही थाना स्तर पर प्राप्त शिकायतों का त्वरित निराकरण कर शिकायत कर्ता को संतुष्ट किया जावे एवं अनावश्यक आजमनों की शिकायतों को लंबित न रखा जावे तथा जिला एवं अनुभाग स्तर पर शिविर का आयोजन कर पीडित व्यक्तियों की शिकायत प्राप्त कर उनका त्वरित निराकरण किया जावे।

सी.सी.टी.व्ही. नियंत्रण कक्ष का निरीक्षण

पुलिस महानिरीक्षक, जबलपुर जोन जबलपुर द्वारा नरसिंहपुर में लगे सी.सी.टी.व्ही. कैमरों के नियंत्रण का निरीक्षण कर नगर के विभिन्न कैमरों को चेक किया गया एवं सी. सी. टी. व्ही. कैमरों के संचालन में लगे अधिकारी एवं कर्मचारियों को आवश्यक दिशा निर्देश भी दिये गये। महिला संबंधी अपराधों की रोकथाम हेतु विशेष कदम उठाने हेतु दिशा निर्देश देते हुए यह भी कहा गया कि यदि किसी भी महिला संबंधी अपराध की रिपोर्ट आती है तो तत्परता पूर्वक वैधानिक कार्यवाही की जाना सुनिश्चित किया जावे।

विभिन्न थानों का किया गया निरीक्षण

पुलिस महानिरीक्षक, जबलपुर जोन जबलपुर, अनिल सिंह कुशवाह द्वारा जिले के विभिन्न थानों का निरीक्षण करते हुये थानों की हवालात, मालखाना आदि को चेक किया गया एवं थानों में उपस्थित अधिकारी एवं कर्मचारियों से चर्चा कर उनकी समस्याओं को सुना गया एवं थाना प्रभारियों एवं डियूटिरत अधिकारी एवं कर्मचारियों को दिशा निर्देश दिये गये।

महिला मंडल द्वारा आदर्श होली मिलन समारोह

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर ।

गायत्री शक्तिपीठ नरसिंहपुर में दिनांक 29 3 24 को 4:00 बजे से समूह साधना गायत्री चालीसा के साथ फूहड़तम गीतों के विपरीत आदर्श गीतों के साथ आत्मीय होली मिलन का मात्र शक्तियों ने आनंद उठाया मातृशक्ति संवर्धन के उपलक्ष में यह आयोजन सभ्य समाज के लिए समर्पित रहा है यह आयोजन शांतिकुंज हरिद्वार के निदेर्शानुसार हुआ ये कार्यक्रम

गायत्री शक्तिपीठ नरसिंहपुर की देवालय प्रबंधन श्रीमती हेमलता शर्मा जिला समन्वयक एवं पुंसवन प्रभारी महिला मंडल श्रीमती मंजू श्रीवास्तव जिला सांस्कृतिक प्रभारी महिला मंडल श्रीमती ज्योति तिवारी सह प्रभारी श्रीमती ज्योति पचौरी के निर्देशन में संपन्न किया गया ,कार्यक्रम में विशिष्ट आथित्य में श्रीमती सुनंदा भट्ट श्रीमती संध्या कोठारी श्रीमती प्रवीणा गोस्वामी श्रीमती निशा सोनी श्रीमती अर्चना सोनी श्रीमती कविता पटेल रोसरा श्रीमती रेखा पटेल की उपस्थिति रही । इस आयोजन में श्री कृष्ण के स्वरूप में प्रिया वर्मा, राधा के स्वरूप में ज्योति पचोरी एवं गोपियों के स्वरूप में श्रीमती संगीता झरिया श्रीमती रचना वर्मा श्रीमती कविता गडेकर श्रीमती रश्मि सोनी श्रीमती मंजू लता दुबे श्रीमती सची चौकसे श्रीमती मोना शर्मा श्रीमती राजकुमारी झा रिया श्रीमती दुर्गा राय श्रीमती आरती शर्मा श्रीमती वंदना श्रीमती कृष्णा शर्मा पटेल श्रीमती लक्ष्मी लोधी प्रज्ञा लोधी संजू लोधी श्रीमती माधवी यादव श्रीमती ओमवती मालवीय श्रीमती मोना शर्मा श्रीमती पूनम श्रीवास्तव श्रीमती निधि नेमा की भूमिका रही गायत्री शक्तिपीठ, मां दुर्गा महिला मंडल एवं नेमा समाज की मात्र शक्तियों की उपस्थिति रही इसमें श्रीमती विमला नेमा श्रीमती गीता नेमा श्रीमती जयश्री नेमा श्रीमती बबीता नेमा श्रीमती मंजू नेमा श्रीमती रेखा राय श्रीमती ममता मिश्रा श्रीमती गीता सोनी श्रीमती श्यामा सोनी श्रीमती प्रतिभा शर्मा श्रीमती संध्या नेमा श्रीमती सुमन रारोलिया श्रीमती जानकी पटेल श्रीमती प्रीति मेहरा श्रीमती अंबिका मेहरा आदि आयोजन में गायत्री शक्तिपीठ नरसिंहपुर के परिव्राजक यशवंत का विशेष सहयोग रहा

जिले में बनाये गये कुल 17 एसएसटी चैक पोस्ट

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर । भारत निर्वाचन आयोग द्वारा 16 मार्च 2024 को लोकसभा निर्वाचन- 2024 के लिये निर्वाचन कार्यक्रम की घोषणा कर दी गई है। निर्वाचन की घोषणा होते ही जिले में आदर्श आचरण संहिता प्रभावशील हो गई है। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती शीतला पटले ने लोकसभा निर्वाचन- 2024 को स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं पारदर्शी रुप से सम्पन्न कराने के उद्देश्य से जिले में कुल 17 एसएसटी चैक पोस्ट बनाये गये हैं। जिले की विधानसभा क्षेत्र 118- गोटेगांव में 4, 119- नरसिंहपुर में 6, 120- तेंदूखेड़ा में 4 और 121- गाडरवारा में 3 एसएसटी चैक पोस्ट बनाये गये हैं। गोटेगांव के अंतर्गत खापा एनएच 26, धूमा रोड, झांसीघाट व चरगुवां, नरसिंहपुर के अंतर्गत धमना नाका, डोंगरगांव बरघटिया एनएच 45, करेली बस्ती, लाल पुल छिंदवाड़ा रोड, बहोरीपार टोल व उमरिया नामा, तेंदूखेड़ा के अंतर्गत सतधारा बरमान, झिराघाटी, मदनपुर रायसेन रोड व कौंड़यिा नाका और गाडरवारा के अंतर्गत झिकोली घाट, पनागर चैक पोस्ट व जामगांव में एसएसटी चैक पोस्ट बनाये गये हैं।

एसएसटी चैक पोस्ट पर लगातार हो रही वाहनों की चैकिंग

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर ।

लोकसभा निर्वाचन- 2024 को स्वतंत्र, शांतिपूर्ण और निष्पक्ष रूप से सम्पन्न कराने के मकसद से जिले में व्यापक इंतजाम किये गये हैं। इसी कड़ी में कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती शीतला पटले ने जिले की चारों विधानसभा क्षेत्र के लिए स्थैतिक निगरानी दल- एसएसटी के सदस्य के रूप में नियुक्त किया है। ये सदस्य भारत निर्वाचन आयोग के दिशा- निदेर्शों के अनुरूप कार्य करने के लिए निर्देशित किया है। उक्त टीम चेक पोस्ट बनायेगी तथा भारी मात्रा में नगदी, अवैध शराब, संदेहास्पद वस्तु शस्त्रों आदि की आवाजाही की निगरानी कर रही है। जांच की समस्त प्रक्रिया की वीडियोग्राफी भी की जा रही है। उल्लेखनीय है कि जिले में कुल 17 एसएसटी चैक पोस्ट बनाये गये हैं, उनमें विधानसभा क्षेत्र 118- गोटेगांव में 4, 119- नरसिंहपुर में 6, 120- तेंदूखेड़ा में 4 और 121- गाडरवारा में 3 एसएसटी चैक पोस्ट बनाये गये हैं।

जल संरक्षण व संवर्धन हेतु बोरी बंधान की पहल

तेंदूखेड़ा

जनअभियान परिषद की कार्ययोजना अनुसार जल संरक्षण एवं संबर्धन हेतु ग्राम विकास प्रस्फुट समितियों नवांकुर संस्थाओ के सदस्यों एवं समाज कार्य में स्नातक एवं स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम के छात्र-छात्राओं स्थानीय लोगों की सहभागिता द्वारा बोरी बंधान के कार्य किये जा रहे हैं। जिसके विकासखण्ड चावरपाठा की नवांकुर संस्था भारद्वाज जनकल्याण समिति ईश्वरपुर श्रीस्वामी साधना सेवा समिति बिल्थारी व ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति बंधा के अवंरिया ग्राम के गोकलपुरी नाला में लगभग 350 बोरियों का बंधान बनाया गया। नाले के बहते पानी को रोककर भूमिगत जलस्तर बढ़ाने के साथ गर्मियों में पशुओं जीव-जंतुओं व आम लोगों की जल उपलब्धता सुनिश्चित कराने और गर्मी में इस पानी से कृषि सिंचाई के रकबे में बढ़ोत्तरी होगी जिससे कृषि व सब्जी उत्पादन में बढोत्तरी करते हुए आस-पास के लोग अपनी आर्थिक उन्नति करने मे मददगार सावित होगा। गोकुलपुरी नाले के इस बोरी बंधान में परिषद के जिला समन्वयक जयनारायण शर्मा ब्लॉक समन्वयक धर्मेद्र चैहान की उपस्थिति रही। श्री शर्मा ने बताया कि यह जल के आने वाले संकट को देखते हुए अभियान चलाकर परिषद की नवांकुर संस्थाओं व ग्राम विकास प्रस्फुटन समितियों तथा समाज कार्य पाठ्यक्रम के विद्यार्थियों के माध्यम से संभावित स्थलों को चिन्हांकित कर ऐसे बोरी बंधान जल संरक्षण व संबर्द्धन हेतु किये जा रहे हैं ।इस मौके पर समितियों के पदाधिकारी गण सदस्य तथा छात्र छात्राएं बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

एग्जिट पोल तथा इसके परिणाम का प्रकाशन पर एक जून तक पूर्णतः प्रतिबंधित

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर । लोकसभा निर्वाचन 2024 की आदर्श आचार संहिता प्रभावशील है। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री अनुपम राजन ने बताया कि आदर्श आचार संहिता के दौरान 19 अप्रैल की सुबह 7 बजे से एक जून की शाम 6:30 बजे तक निर्वाचन के संबंध में किसी भी प्रकार के एग्जिट पोल का आयोजन तथा प्रिंट या इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में इसके परिणाम का प्रकाशन या प्रचार अथवा किसी भी अन्य तरीके से इसका प्रचार-प्रसार करने पर पूर्णतः प्रतिबंध रहेगा। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा 28 मार्च 2024 को इस आशय की अधिसूचना जारी कर दी गई है। जारी अधिसूचना में स्पष्ट किया गया है कि निर्वाचन के दौरान सभी मतदान क्षेत्रों में मतदान की समाप्ति के लिये नियत समय पर समाप्त होने वाले 48 घण्टों के दौरान किसी भी इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में किसी भी ओपिनियन पोल या किसी अन्य मतदान सर्वेक्षण के परिणामों सहित किसी भी प्रकार के निर्वाचन संबंधी मामलों के प्रदर्शन पर भी पूर्णतः प्रतिबंध रहेगा। उल्लेखनीय है कि लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा 126 क में यह प्रावधानित किया गया है कि कोई भी व्यक्ति, कोई निर्गम मत सर्वेक्षण नहीं करेगा और किसी निर्गम मत सर्वेक्षण के परिणाम का ऐसी अवधि के दौरान, जो निर्वाचन आयोग द्वारा इस संबंध में अधिसूचित की जाए, प्रिंट या इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के माध्यम से प्रकाशन या प्रचार या किसी भी प्रकार की अन्य रीति से प्रसार भी नहीं करेगा। यदि कोई व्यक्ति इस प्रावधान का उल्लंघन करेगा, तो वह ऐसी अवधि के कारावास से, जो दो वर्ष तक की हो सकेगी या जुमार्ने से या दोनों से, दण्डनीय होगा।

वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन में लगी आग

हरिभूमि न्यूज न्यूज - नरसिंहपुर ।

रविवार की सुबह रीवा से रानी कमलापति को जाने वाली वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन जैसे ही नरसिंहपुर रेलवे स्टेशन पर पहुंची तो ट्रेन के सी 5 कोच में आग लग गई। ट्रेन में बैठे यात्री कोच के बाहर आ गए। सुधार कार्य के चलते ट्रेन को करीब सवा घंटे नरसिंहपुर रेलवे स्टेशन पर ही रोका गया। घटना की जानकारी लगते ही रेलवे अधिकारियों मौके पर पहुंच कर आग बुझाने का कार्य तीव्र कराया गया जिससे आग पर काबू पाया गया । आग लगने की वजह शॉट सर्किट बताई जा रही है ।

3 अप्रैल को नामांकन-पत्र दाखिल करेंगे कांग्रेस प्रत्याशी संजय शर्मा

तेंदूखेड़ा- नर्मदापुरम-नरसिंहपुर संसदीय क्षेत्र के कांग्रेस के प्रत्याशी तेंदूखेड़ा के पूर्व विधायक संजय शर्मा आने वाली 3 अप्रैल को दोपहर 11 बजे नर्मदापुरम कलेक्ट्रेट पहुंचकर अपना नामांकन-पत्र दाखिल करने के उपरांत विशाल आम सभा को भी संबोधित करेंगे । नामांकन पत्र दाखिल करते समय अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के मध्य प्रदेश के प्रभारी जितेंद्र भंवर सिंह, कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी प्रदेश के सह प्रभारी संजय कपूर वरिष्ठ अधिवक्ता विवेक तंखा पूर्व मंत्री मुकेश नायक नर्मदा पुरम लोकसभा के आठो विधानसभाओं के सभी कांग्रेस प्रत्याशी, कांग्रेस जिला अध्यक्ष एवं समस्त वरिष्ठ पदाधिकारी समेत कई वरिष्ठ नेता, कार्यकर्ता जन नर्मदा पुरम (होशंगाबाद)पहुंचेंगे एवं आम सभा को संबोधित करेंगे। नर्मदापुरम के वार्ड क्रमांक 9 के जिला पंचायत सदस्य हाकम सिंह गुर्जर एवं समस्त विधानसभाओं के कांग्रेस जन प्रतिनिधियों कार्यकर्ताओं पदाधिकारियों से उपस्थिति की अपील की गई है।